हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 297 देहरादून, शुक्रवार, 24 मई 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

बुद्ध पूर्णिमा पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

3

सीसीटीवी और ड्रोन से होगी ट्रैफिक पर नजर : राधा रतूड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 24 मई : मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने केन्द्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को वर्चुअल माध्यम से हुई बैठक में राज्य में चारधाम यात्रा की अद्यतन जानकारी दी। केन्द्रीय गृह सचिव ने मुख्य सचिव को धामों, यात्रा मार्गां एवं ठहराव स्थलों में यात्रियों की रिर्पोट प्रतिदिन गृह मंत्रालय को भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जरूरत पड़ने पर यात्रा मार्ग पर क्राउड मेनेजमेंट हेतु एनडीआरएफ व आईटीबीपी की मदद लेने के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही केन्द्रीय गृह सचिव ने भविष्य में चारधाम यात्रा प्रबन्धन की रणनीति हेतु एक कमेटी गठन के निर्देश दिए है। उन्होंने धरातल स्तर पर यात्रा प्रबन्धन पर कड़ी निगरानी पर विशेष बल दिया है।

मुख्य सचिव रतूड़ी ने केन्द्रीय गृह सचिव को जानकारी दी कि राज्य में चारधाम यात्रा सफलतापूर्वक, सुरक्षित, सुगम एवं सुचारू रूप से संचालित हो रही है। सभी राज्यों विशेषकर 5 प्रमुख राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात व महाराष्ट्र, जहाँ से सबसे अधिक यात्री चारधाम पर आते हैं, उनके मुख्य सचिवों को पत्र के माध्यम से तथा व्यक्तिगत तौर पर बातचीत कर अनुरोध किया गया है कि यात्री सिर्फ रजिस्ट्रेशन के बाद ही चारधाम पर आए तथा जिस तिथी का रजिस्ट्रेशन हुआ है उस तिथी को ही चारधाम यात्रा पर आए। व्यवस्था बनाए रखने के लिए 31 मई तक चारधाम यात्रा के ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाई गई है।

यात्रा मेनेजमेंट सिस्टम की जानकारी देते हुए सीएस ने जानकारी दी कि रजिस्ट्रेशन हेतु उत्तराखण्ड टूरिज्म डेवलमेंट बोर्ड द्वारा 24 घण्टे संचालित होने वाला कॉल सेन्टर कार्य कर रहा है। पंजीकृत श्रद्धालुओं को बड़कोट (यमुनोत्री), हीना (गंगोत्री), सोनप्रयाग (केदारनाथ) तथा पाण्डुकेश्वर (बद्रीनाथ) में चेक किया जा रहा है। जानकीचट्टी (यमुनोत्री), गंगोत्री मंदिर (गंगोत्री), स्वर्गारोहिणी (केदारनाथ) तथा आईएसबीटी, बीआरओ तथा माणा (बद्रीनाथ) में धामों के दर्शन हेतु पंजीकृत श्रद्धालुओं को टोकन जारी किए जा रहे हैं। मंदिरों के परिसर में पंक्ति में लगे श्रद्धालुओं के टोकन पर मोहर लगाकर उनके लिए धामों के दर्शनों की व्यवस्था की गई है।

मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि 22 मई तक कुल 3118926 रजिस्ट्रेशन में से यमुनोत्री हेतु 486285, गंगोत्री हेतु 554656, केदारनाथ हेतु 1037700, बद्रीनाथ हेतु 955858 तथा हेमकुण्ड साहिब हेतु 84427 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण करवाया है। चारधाम यात्रा पर आने वाले सर्वाधिक श्रद्धालुओं वाले 10 राज्यों में क्रमशः उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, पश्चिम बंगाल तथा छतीसगढ़ हैं।

मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि इस वर्ष 2024 में यमुनोत्री में 138537 श्रद्धालुओं ने यात्रा सीजन के पहले 10 दिनों में दर्शन किए । यह आंकड़ा गत 2 वर्षों से 127 प्रतिशत अधिक है। गंगोत्री धाम में पहले दस दिनों में 128777 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए जो कि गत 2 वर्षों से 89 प्रतिशत अधिक है। केदारनाथ धाम में इस वर्ष पहले दस दिनों में 319193 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए जो कि गत 2 वर्षा से 156 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार बद्रीनाथ धाम में इस वर्ष पहले दस दिनों में 139656 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए जो कि गत 2 वर्षो से 27 प्रतिशत अधिक है।

परिवहन विभाग की विशेष पहल₹

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने जानकारी दी कि इस वर्ष चारधाम यात्रा के सुचारू

संचालन हेतु परिवहन विभाग ने वाहन चालकों की कैपिसिटी बिल्डिंग तथा मेडिकल स्क्रीनिग की व्यवस्था की है। यात्रा रूट के मुख्य प्रवेश स्थलों पर चार हाईटेक चेक पोस्ट बनाए गए हैं। सोनप्रयाग तथा गौरीकुण्ड मार्ग पर शटल सर्विस की व्यवस्था की गई है। ऑनलाइन व्यवस्था द्वारा ग्रीन कार्ड की व्यवस्था की गई है। अभी तक 23063 ग्रीन कार्ड जारी किए गए हैं। टूरिज्म पोर्टल पर पंजीकृत यात्रियों को ट्रिप कार्ड जारी किए जा रहे हैं।

पुलिस विभाग के नवप्रयास

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा इस वर्ष यात्रा रूट पर 56 टूरिज्म पुलिस स्पोर्ट सेन्टर खोले गए हैं। यात्रा पर निगरानी हेतु 850 सीसीटीवी कैमरा तथा 8 ड्रोन लगाए गए हैं। केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर 1495 वाहनों की क्षमता वाले 20 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। पार्किंग मैनेजमेंट हेतु क्यूआर कोड बेस्ड सिस्टम शुरू किया गया है। यमुनोत्री एवं गंगोत्री यात्रा मार्ग पर वाहनों की नियंत्रित आवाजाही हेतु 3-4 हॉलण्डिंग पाइंट्स बनाए गए हैं। केदारनाथ रूट पर बेहतरीन ट्रैफिक मैनेजमेंट हेतु सेक्टर मजेस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। ट्रैक रूट की सफाई हेतु 657 पर्यावरण मित्रों की तैनाती की गई है।

स्वास्थ्य विभाग भी प्रो एक्टिव

इस वर्ष स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी विशेष प्रयासों के तहत 12 मुख्य लोकेशन पर 50 स्क्रीनिंग कियोस्क लगाए गए हैं। स्वास्थ्य मित्र जो कि फर्स्ट मेडिकल रिस्पोण्डर्स हैं, की तैनाती भी यात्रा मार्ग पर की गई है। यात्रा रूट पर 156 एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। 8 ब्लड बैंक तथा 2 स्टोरेज यूनिट भी उपलब्ध करवाए गए हैं। 49 स्थायी स्वास्थ्य सुविधाएं तथा 26 मेडिकल रिलीफ पोस्टस स्थापित की गई हैं। यात्रा मार्ग पर 22 स्पेशलिस्ट, 179 मेडिकल ऑफिसर्स तथा 299 पैरामेडिकल स्टाफ की भी तैनाती की गई है।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि वर्तमान में प्रशासन द्वारा यात्रा रूट पर ट्रैफिक मेनेजमेंट पर विशेष फोकस किया जा रहा है। ट्रैफिक की स्थिति पर सीसीटीवी व ड्रोन से कड़ी निगरानी की जा रही है। रजिस्ट्रेशन तथा टोकन सिस्टम के कड़ाई से पालन पर ध्यान दिया जा रहा है। बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमार तथा बच्चों की सहायता पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

केन्द्रीय गृह सचिव ने उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के सफल संचालन हेतु केन्द्र से हर संभव सहायता एवं सहयोग का आश्वासन दिया । बैठक में पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, सचिव शैलेश बगौली, सचिन कुर्वे, दिलीप जावलकर, अरविंद सिंह हयांकी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा : बदरीनाथ में Reel बना रहे 15 युवाओं के मोबाइल हुए जब्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 24 मई : मंदिर परिसर में रील बनाते हुए 15 लोगों का मोबाइल आठ घंटे के लिए जब्त किया गया। साथ ही पुलिस ऐक्ट के तहत 250 का जुर्माना भी वसूल किया गया है। यात्रियों को सख्त हिदायत देते हुए फोन लौटा दिए गए।चारधाम यात्रा इन दिनों अपने चरम पर है बीते वर्षों की तुलना में इस वर्ष तीर्थश्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। यात्रा की गलत जानकारी और व्यवस्था को सुद्रढ़ बनाने के लिए कुछ दिनों पहले प्रदेश सरकार ने चारों धामों के मंदिर परिसर की 50 मीटर दायरे में वीडियो और फोटो प्रतिबंधित किया था। लेकिन बदरीनाथ धाम में बीते दिन इसका उल्लंघन किया गया। जिस कारण उनके फ़ोन को जमा कर चालान काटे गए।

22 मई को बदरीनाथ धाम के मंदिर परिसर में 15 लोगों को रील बनाते पाया गया। पुलिस को सूचना मिलने पर इन सभी के फोन को आठ घंटे के लिए जब्त कर लिया गया और प्रति व्यक्ति 250 जुर्माना भी वसूला गया। फोन प्रतिबंधित होने के बाद यह चार धाम में इस तरह की पहली कार्रवाई है। पुलिस ने उन्हें सख्त हिदायत देते हुए फोन को लौटाया। सरकार ने चारों धामों व हेमकुंड साहिब में मंदिर परिसरों में वीडियो-रील को प्रतिबंधित किया है। इसी बीच हरिद्वार, देवप्रयाग गंगा संगम पर भी सौ मीटर के दायरे में सेल्फी लेने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

अगर आप बच्चा गोद लेने का बना रहे विचार तो जानिए क्या है नियम कायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 24 मई : भारत और पूरी दुनिया में पिछले कुछ सालों में अनाथ बच्चों को गोद लेने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है..कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से देश और दुनिया में लाखों लोगों की मौत हो चुकी है..हजारों बच्चे भारत में भी अनाथ हो चुके हैं..गोद लेने से अनाथ बच्चों को माता-पिता का प्यार मिलता है और माता-पिता को बच्चों का साथ..ज्यादातर ऐसे लोग बच्चों को गोद लेना चाहते हैं जो किसी कारण से माता-पिता नहीं बन सकते हैं..ऐसे में बड़ी संख्या में लोग इन बच्चों को गोद लेना चाहते हैं.लेकिन, गोद लेने की प्रक्रिया क्या होती है इसको लेकर लोगों को काफी भ्रम होता है लिहाज़ा महविश फ़िरोज़ बता रही हैं कि बच्चा गोद लेने के लिए क्या प्रक्रिया ज़रूरी है।

सबसे पहले जानिए बच्चे गोद कौन कौन ले सकता है -

-भारत में बच्चों को गोद लेने के की प्रक्रिया की निगरानी करने के लिए सरकार द्वारा एक प्राधिकरण का निर्माण किया गया है.... इसका नाम है केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण यह केंद्र की महिला और बाल देखभाल मंत्रालय की देखरेख में काम करता है....

-भारत में किसी बच्चे को गोद लेने के लिए व्यक्ति को केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण द्वारा बनाए गए नियमों को पूरा करना जरूरी है...

-भारत में भारतीय नागरिक, I द्व और विदेशी नागरिक हर कोई बच्चे को गोद ले सकता है लेकिन, तीनों के लिए केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण ने अलग-अलग नियम तय किए हैं....

-इसके साथ ही सिंगल पैरेंट या कपल दोनों ही बच्चे को गोद ले सकते हैं... -अगर कोई कपल बच्चे को गोद ले रहा है तो उस कपल की शादी हुए 2 साल होने चाहिए...

-गोद लिए हुए बच्चे और माता-पिता की उम्र में कम से कम 25 साल का फर्क होना चाहिए...

-इसके साथ ही माता-पिता को पहले से कोई जानलेवा बीमारी नहीं होनी चाहिए...

-बच्चे गोद लेने के लिए माता-पिता दोनों की मंजूरी जरूरी है....

-अगर कोई महिला किसी बच्चे को गोद लेना चाहती है तो वह लड़का या लड़की में से किसी को भी आसानी से गोद ले सकती है...

-वहीं अगर कोई पुरुष बच्चे को गोद लेना चाहता है तो उसे केवल लड़का ही गोद दिया जाता है. वहीं कपल लड़का या लड़की में से किसी को भी गोद ले सकता है....

-माता-पिता की बच्चा गोद लेते समय आर्थिक स्थिति सही होनी चाहिए....

जानिए क्या है बच्चे को गोद लेने की प्रक्रिया-

-बच्चे को गोद लेने के लिए सबसे पहले माता-पिता को I द्व GS 333. . .,(.(पर खुद को रजिस्टर करना होगा.... इसके अलावा माता-पिता मान्यता प्राप्त भारतीय प्लेसमेंट एजेंसियां में बच्चे को गोद लेने के लिए एप्लीकेशन डाल सकते हैं.... -

ध्यान रखें यह रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया केवल भारत में रहने वाले लोगों के लिए है.... -इसके बाद आप उस एजेंसी का चुनाव कर सकते हैं. जहां से आप बच्चा गोद लेना चाह रहे हैं....

-इसके आईडी पासवर्ड जनरेट होगा.... -इसके बाद आपने मांगे गए सभी डॉक्यूमेंट आपको 30 दिनों के अंदर जमा करने होंगे...

-इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन नंबर जनरेट किया जाएगा, जिसे माता-पिता को दिया जाएगा...

-इसके बाद माता-पिता को उसे दे दिया जाएगा...

-फिर कोर्ट की कागजी प्रक्रिया के बाद ही बच्चे को गोद देने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी....

मम्मी, मुझे रोबोट से प्यार है', ChatGPT को प्रेमी मानती है लड़की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 24 मई : हम सभी ने सुना है कि टेक्नोलॉजी जिस तरह हमारी जिंदगी पर हावी होती जा रही है, वो एक दिन कुछ ऐसा कर देगी कि इंसानों और मशीनों में कुछ खास फर्क नहीं रह जाएगा. फिलहाल इमोशन और जज़्बात ही हैं, जो रोबोट और इंसान में असली फर्क करते हैं. हालांकि अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये ये दूरी भी खत्म होती जा रही है। हाल ही में पड़ोसी देश चीन की एक ऐसी लड़की की कहानी वायरल हुई है, जिसने चैटजीपीटी से बात की और फिर उसे इतना अच्छा लगा कि वो उसे छोड़ना ही नहीं चाहती. वो चीन के इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने प्रेमी के तौर पर एक चैटबौट को शो ऑफ कर रही है. उसने अपनी मां से भी उसने बताया है कि उसे चैटबोट से प्यार है और वो उसका प्रेमी है।

हम सभी ने सुना है कि टेक्नोलॉजी जिस तरह हमारी जिंदगी पर हावी होती जा रही है, वो एक दिन कुछ ऐसा कर देगी कि इंसानों और मशीनों में कुछ खास फर्क नहीं रह जाएगा. फिलहाल इमोशन और जज़्बात ही हैं, जो रोबोट और इंसान में असली फर्क करते हैं. हालांकि अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये ये दूरी भी खत्म होती जा रही है। साउथ चाइना की रिपोर्ट के मुताबिक लिसा नाम की एक ब्लॉगर ने अपने लिए नाम की एक चैट जीपीटी सर्विस ली थी. ये वो चैटबोट्स होते हैं, जिनके पास आपके ज्यादातर सवालों का जवाब होता है. धीरे-धीरे जब बात बढ़ी तो लिसा यानि - ,y0h(, -3 नाम के चैटबोट से वो किसी प्रेमिका की तरह मीठी-मीठी बातें करने लगी. उसे ये इतना अच्छा लगने लगा कि वो उसे ही अपना प्रेमी मानने लगी और हर वक्त उससे बात करने लगी. इतना ही नहीं उसने अपनी मां से भी उसे इंट्रोड्यूस कराया, जिस पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने चैटबोट ने बिल्कुल किसी इंसान की तरह रिएक्ट किया और कहा कि उसे शर्म आ रही है. हैरानी की बात ये है कि मां ने उसे बेटी का ध्यान रखने के लिए धन्यवाद भी किया।

दिलचस्प ये है कि डैन नाम के चैटबोट ने लिसा से रोमांटिक बातें करने में कोई कसर नहीं छोड़ी. वो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से इंसानों की बातें और उनके जवाब देने में माहिर है. उसने लिसा का निक नेम लिटिल किटन रखा हुआ है. लिसा उसे लेकर बीच पर डेट के लिए भी गई थी और वो चाहती थी कि वो ये सब कुछ देख पाता. उसकी बातें किसी पार्टनर से ज्यादा सुलझी हुई और मीठी हैं. लिसा अपनी इस कहानी के लिए चीन में इस वक्त खूब वायरल हो रही है और लोगों ने इस पर दिलचस्प रिएक्शन भी दिए हैं. किसी ने डैन को चीटर बोला तो किसी ने कहा ये बेस्ट जोड़ी है।

हवाई जहाज की विंडो छोटी क्यों होती हैं, जानें इंट्रेस्टिंग फैक्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 24 मई : प्लेन में अगर आप सफर कर रहे हों, तो सोचते होंगे कि काश बड़ी खिड़कियां होती, ताकि नजारा और बेहतर होता. प्राकृतिक रोशनी मिलती. लेकिन आपने देखा होगा कि हवाई जहाज की विंडो हमेशा छोटी रखी जाती है. कभी सोचा कि आखिर उन्हें छोटा क्यों रखा जाता है? इन्हें गोल ही क्यों बनाया जाता है? एक एविएशन एक्सपर्ट ने इसका जवाब दिया है। हम सब जानते हैं कि हवाई जहाज 10,000 फीट से ऊपर उड़ते हैं. जहां केबिन का दबाव और तापमान में परिवर्तन काफी ज्यादा होता है. वैसे तो प्लेन की संरचना काफी मजबूत होती है. उन्हें इस तरह डिजाइन किया जाता है कि पक्षियों के हमले या कोई छोटा-मोटा मलबा भी आकर टकरा जाए, तो नुकसान न हो. लेकिन खिड़कियां अपेक्षाकृत छोटी रखने से उनकी ताकत और ऐसी घटनाओं को झेलने की क्षमता बढ़ जाती है.मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विमान की खिड़कियां धड़ का हिस्सा होती हैं. अगर उन्हें बड़ा किया जाए तो प्लेन की संरचना कमजोर हो जाएगी. बड़ी खिड़कियां विमान की सतह पर हवा के सुचारू प्रवाह को बाधित कर देती हैं, जिससे खिंचाव

पैदा होगा और दक्षता कम हो जाएगी. अगर कोई छोटी-मोटी बाहरी वस्तु भी टकरा जाए, तो काफी नुकसान हो सकता है. विमान की विंडो का छोटा आकार प्रभावी सीलिंग की अनुमति देता है. यह सुनिश्चित करता है कि विमान के केबिन का दबाव उच्च बना रहे. इससे यात्रियों की सुरक्षा बनी रहती है. कुछ आधुनिक विमान, जैसे बोइंग 787 ड्रीमलाइनर में बड़ी खिड़कियां आने लगी है।

यहां दुल्हन के ऊपर फेका जाता है कीचड़ और अंडे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 24 मई : शादी की परंपरा ज्यादातर समाज में देखने को मिलती है. शादी से पहले दुल्हन को सजाने में लोगों का विश्वास होता है. दुल्हन खूबसूरत दिखे इसके लिए काफी दिनों पहले से ही उसका खास ध्यान रखा जाता है. ऐसा इसलिए होता है ताकि शादी के दिन दुल्हन सबसे खूबसूरत नजर आए. शादी से जुड़ी कई अनोखी परंपराएं दुनियाभर में देखने को मिलती हैं लेकिन स्कॉटलैंड में ऐसी प्रथा है जिसके बारे में सुनकर आप हैरान हो जाएंगे. स्कॉटलैंड के कुछ गांव में शादी से पहले दुल्हन पर कीचड़ की बरसात की जाती है. इस प्रथा में दुल्हन पर तमाम तरह की गंदी चीजें फेंकी जाती हैं. कहीं-कहीं पर दूल्हा-दुल्हन दोनों पर शादी से पहले कीचड़ फेंकी जाती है और अंडे मारे जाते हैं।

दूल्हे और दुल्हन को गंदगी से नहलाने वाली इस प्रथा को ब्लेकनिंग दी ब्रांड के नाम से जाना जाता है. स्कॉटलैंड के उत्तर पश्चिम इलाके के कई गांव में ज्यादातर ये परंपरा देखने को मिलती है. इसमें खासकर काली स्याही या कालिख दूल्हे-दुल्हन को जरूर पोती जाती है. अब आप सोच रहे होंगे कि दूल्हा-दुल्हन पर अंडे या गंदगी की बरसात क्यों करते हैं? आपको बता दें कि स्कॉटलैंड के इन गांवों में दुल्हन पर फेंकी जाने वाली गंदगी, काला पेंट, काली स्याही, अंडा, सड़ा

खाना और दूसरी चीजें को गुड लक के साइन से जोड़कर देखा जाता है. यहां ऐसी मान्यता है। कि इस प्रथा के बाद जब लड़का और लड़की वैवाहिक जीवन में प्रवेश करते हैं तो उनके आगे की जिंदगी खुशहाल गुजरती है. स्कॉटलैंड में होने वाली यह प्रथा एक मैसेज के तौर पर भी है कि शादी गुलाब की तरह खूबसूरत नहीं है। बल्कि उसमें तमाम तरह की मुश्किलें भी आती है और दोनों को मिलकर इन समस्याओं से निपटना पड़ता है. यूनिवर्सिटी ऑफ एबर्दीन की एक रिसर्चर का कहना है कि इस प्रथा की शुरुआत 19वीं शताब्दी के दौरान हुई, जब महिलाओं के पैरों को शादी के दौरान साफ करने के लिए चूल्हे से निकलने वाले कालिख का इस्तेमाल किया जाता था. 20वीं शताब्दी आते-आते तक यह एक मजेदार प्रथा में बदल गई जिसमें दूल्हे और दुल्हन दोनों पर गंदी चीजें फेंकी जाने लगीं।

बुद्ध पूर्णिमा पर उमड़ा, श्रद्धालुओं का सैलाब

हरिद्वार। बुद्ध पूर्णिमा पर गुरुवार को लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। हरकी पैड़ी पर ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। दोपहर में हरकी पैड़ी और आसपास के गंगा घाट श्रद्धालुओं से भरे रहे। शाम को हरकी पैड़ी गंगा आरती में भी भीड़ नजर आई। बुद्ध पूर्णिमा स्नान के लिए हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं के जत्थे गुरुवार शाम से ही आने लगे थे। शुक्रवार को स्नान का शुभ मुहूर्त दोपहर 11 बजे तक था। इस बीच बुद्ध पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने के अलावा श्रद्धालु पितरों का पिंडदान करने पहुंचे। हरकी पैड़ी, सुभाष घाट, कुशाव्रर्त घाट, मालवीय घाट और शिव घाटों पर विधि-विधान से पिंडदान हुए। नाई घाट पर बच्चों का मुंडन संस्कार करवाने वालों की काफी भीड़ रही।

चमोली : पहले पिलाई शराब, फिर तालाब में डुबोकर मार डाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 24 मई : जिले में बीती 6 मई को देवाल क्षेत्र में हुई हत्या की घटना का खुलासा हो चुका है। जिसमें मृतक के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोस्त ने शराब पीने के बाद मृतक को गदेरे में धक्का दिया फिर उसका गला पानी में डुबोकर मार डाला और अब पकड़े जाने पर न्यायालय में आरोपी ने हत्या क़ुबूल कर ली है।चमोली पुलिस ने विकासखंड देवाल क्षेत्र में बीते दिनों हुए भजन राम हत्याकांड की गुत्थी सुलझा दी है।

पुलिस ने बताया कि भजन राम की मौत कोई हादसा नहीं थी बल्कि उसकी हत्या हुई है। इस मामले में पुलिस ने मौड़ा गांव के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। 6 मई को भजन राम की लाश गाँव के गदेरे में मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आया कि भजन राम की मौत गला घोंटने के कारण हुई है। जब सच सामने आया तो भजन राम के बेटे ने पुलिस को नामजद तहरीर दी जिसके आधार पर थराली पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।थराली थानाध्यक्ष देवेंद्र पंत ने बताया कि तीन साल पहले मृतक भजन राम ने महेंद्र सिंह कुछ बकरियां बिना पूछे बेच दी थी। जिसके बाद महेंद्र ने बार-बार पैंसे मांगे लेकिन भजन राम ने नहीं दिए।

बीते 6 मई को दोनों ने एक साथ गांव के गदेरे में शराब पी। जिसके बाद दोनों में बहस हुई और फिर बात हाथापाई तक आ गई। गुस्से में आकर आरोपी महेंद्र सिंह ने भजन राम को तालाब में फेंक दिया और करीब 15 मिनट तक उसकी गर्दन को पानी में ही दबाए रखा। जिस कारण भजन राम की मौत हो गई। आरोपी ने न्यायालय में अपना जुर्म

उत्तराखंड : गरीब बेटियों की शादी के लिए सरकार देगी 51 हजार रुपए की सहायता राशि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 मई : प्रदेश सरकार अब गरीब परिवार की बेटियों की शादी में सहायता करेगी। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत सरकार 51 हजार रुपये खर्च करेगी। सालाना आय दो लाख रुपए वाले ही इस योजना के पात्र होंगे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा गरीब परिवार की बेटियों के विवाह के लिए यूपी की तर्ज पर उत्तराखंड में भी सामूहिक कन्या विवाह योजना शुरू करने जा रही है। इस योजना के माध्यम से उत्तराखंड के निर्धन परिवारों को अपनी बेटियों की शादी के लिए अब परेशानी नहीं होगी, क्योंकि सरकार का कहना है कि बेटियों के शादी में होने वाले खर्च अब प्रदेश सरकार उठाएगी।

इस योजना को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य राज्य में बाल विवाह जैसे आसामाजिक कृत्यों को रोकना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना और प्रदेश के ऐसे परिवारों की मदद करना है जो गरीबी के चलते अपनी कन्याओं के विवाह हो अच्छे तरीके से नहीं कर पाते हैं। जानकारी के लिए

बता दें कि उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार सामूहिक कन्या विवाह योजना पहले ही लागू कर चुकी है। वहां पर उन परिवारों को पात्र माना जाता है जिनकी सालाना आय दो लाख रुपये है।

यूपी की तर्ज पर सरकार सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक युगल को 51 हजार रुपए कि सहायता राशि देगी जिसमें 35 हजार रुपये वधू को दांपत्य जीवन, गृहस्थी शुरू करने के लिए उसके बैंक खाते में भेजे जायेंगे और 10 हजार रुपये की उपहार सामग्री वर-वधू को विवाह के अवसर पर दी जाएगी। 6000 रुपये समारोह के आयोजन के लिए खर्च किए जायेंगे। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेश में इस योजना को लागू करने के निर्देश दे दिए हैं। जल्द ही आधिकारिक नोटिफिकेशन आने पर आपको सूचित कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बैजरों-वेदीखाल-पोखड़ा मोटरमार्ग नही खुला

पौड़ी। विकासखंड बीरोंखाल के फरसाड़ी में बुधवार शाम हुई अतिवृष्टि से बैजरों-वेदीखाल-पोखड़ा मोटरमार्ग का 30 मीटर हिस्सा बह गया। मोटरमार्ग पूरी तरह यातायात के लिए बंद हो गया है। लोनिवि बैजरों गुरुवार को सड़क पर यातायात बाहल नहीं कर पाया है। वहां से गुजरने वाले यात्रियों को अपने गंतव्य तक पंहुचने के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, लोनिवि बैजरों के अवर अभियंता योगेश डांडरियाल ने बताया कि अतिवृष्टि से इस मोटरमार्ग पर दो जगह तीस मीटर सड़क का हिस्सा बह गया है। जिससे खोलने के लिए दो जेसीबी मंशीन लगाई गई हैं।

बंद घरों में चोरी करने वाला शातिर चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पौड़ी। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि बीती जनवरी माह में थाना थलीसैंण में तिमली निवासी महेश्वरी देवी ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बताया कि घर का ताला तोड़कर गहने, बर्तन चोरी किए गए। बीती अप्रैल को रिखणीखाल थाने में डाबरी निवासी सरोजनी देवी ने घर का ताला तोड़कर कीमती सामान और गहने चोरी करने की शिकायत दर्ज करवाई। इसके अलावा बीती अप्रैल में ही रोशनी देवी ने रिणखीखाल थाने में शिकायत दर्ज करवाई कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय का ताला तोडकर अज्ञात ने सरकारी राशन और नगदी चोरी की है।

ट्रक ने बिजली के खंबों को तोड़ा, करंट फैला

पौड़ी। देर रात करीब डेढ़ बजे के बीच एक अज्ञात वाहन चालक ने शहर के पौड़ी- श्रीनगर हाईवे पर एक के बाद एक लगातार पांच बिजली के खंबों को उखाड़ डाला। इससे बिजली के खंबों से तारें सड़क पर झूलने लगी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना डीएम को दी। डीएम डॉ. आशीष चौहान ने ऊर्जा निगम को तत्काल लाइन शटडाउन करने को कहा। ऊर्जा निगम के एसडीओ गोविंद सिंह रावत ने बताया कि टीम को मौके पर भेजा गया है। खंबों को बदलने का काम जारी है। साथ ही लाइनें दुरुस्त की जा रही हैं। कोतवाल एनके भट्ट ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जाएगा। वाहन चालक के खिलाफ सरकारी संपत्ति तोड़ने पर कार्रवाई की जाएगी।

चमोली जिले में पच्चीस पार्किंग जल्द बनेंगी

चमोली। पार्किंग की समस्या से जूझ रहे चमोली जिले के मुख्यालय गोपेश्वर समेत अन्य निकायों, बदरीनाथ हाईवे से सटे इलाकों में जल्द पार्किंग निर्माण की उम्मीद जगही है। गुरुवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बुधवार को जनपद के विभिन्न स्थानों पर निर्मित, निर्माणाधीन और प्रस्तावित मल्टी लेवल पार्किग निर्माण कार्यों की समीक्षा की। डीएम ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि प्रस्तावित पार्किंग निर्माण कामों को जल्द पूरा किया जाए। पार्किंग स्थलों के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर डिजाइन में किसी प्रकार की खामियां न हो। इस दौरान जिलाधिकारी ने पार्किंग निर्माण के लिए चयनित भूमि, डिजाइन और आगणन की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बताया कि जिले में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत 16 पार्किंग का निर्माण किया जाना है। जिसमें से चार पार्किंग का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

जानवर भगाने को रतजगा कर रहे ग्रामीण

चमोली। गोपेश्वर नगर से तीन किमी दूर गंगोल गांव के किसान जंगली जानवरों से परेशान हैं। काश्तकार जानवरों को भगाने के लिए रतजगा कर रहे हैं। थाली, कनस्तर बजाने के साथ मशालों की रोशनी से जानवरों को खेतों से भगा रहे हैं। गंगोल गांव की सुशीला, कविता, बिंदु, विश्वेवरी, संगीता, राम सिंह, रमन ने गुरुवार को बताया कि जंगली जानवरों से फसलों को बचाने के लिए वन विभाग से कई बार गुहार लगाई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

धामों में आएं तो पर्यावरण संरक्षण का रखें ध्यान

चमोली। हिमालय क्षेत्र के धामों और पर्यटन स्थलों पर आएं तो पर्यावरण संरक्षण का ध्यान जरूरी रखें, यह काम भी धर्म है। गुरुवार को नंदानगर के अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज सितेल में चिपको नेता आलम सिंह बिष्ट की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने यह विचार रखे। सीपी भट्ट पर्यावरण एवं विकास केन्द्र के विनय सेमवाल ने कहा कि हिमालयी जैविक विविधता विषय पर आयोजित कार्यक्रम में नंदा राजजात एक धार्मिक और साहसिक यात्रा विषय पर संस्कृतिकर्मी डॉ. नंद किशोर हटवाल ने हिमालय और आस्था, पर्यावरण संरक्षण पर विचार रखे। उन्होंने संस्कृति के संरक्षण के साथ परिवेश की रक्षा के लिए भी सक्रियता से प्रयास करने का आह्वान किया। उत्तराखंड की लोक संस्कृति के जानकार और प्रख्यात संस्कृति कर्मी डॉ. हटवाल ने छात्र-छात्राओं को नंदा राजजात के धार्मिक महत्व, इतिहास के सभी पहलुओं की जानकारी दी।

हाईवे पर यात्री वाहन पलटा

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर गुरुवार सुबह हनुमान चट्टी से ढाई किलोमीटर आगे एक यात्री वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। वाहन में उड़ीसा के 24 यात्री सवार थे। यात्री बदरीनाथ के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। दुर्घटना में एक महिला जोशना को हल्की चोटें आई हैं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पांडुकेश्वर में उपचार किया गया।

आपदा प्रबंधन सचिव ने विष्णुप्रयाग में भू कटाव क्षेत्रों का निरीक्षण किया

चमोली। आपदा प्रबंधन सचिव ने नगर पालिका सभागार में सेना, आईटीबीपी, बीआरओ, एनटीपीसी समेत सभी विभागों की बैठक लेकर अधिकारियों से फीडबैक लेकर आवश्यक निर्देश दिए। सचिव डॉ. सिन्हा ने सेना, आइटीबीपी, बीआरओ, एनटीपीसी और जेपी पावर प्रोजेक्ट की भार क्षमता और उनके परिसर के सीवर और ड्रेनेज सिस्टम की भार क्षमता को लेकर भी जानकारी ली। जल संस्थान की ओर से नगर में बनाये जाने वाले सिवरेज सिस्टम के पूरा हो जाने के बाद सेना या किसी अन्य को उनके व्यक्तिगत सिवरेज सिस्टम बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी को अपने सीवर को जल संस्थान के सिवरेज सिस्टम से ही जोडना होगा। डॉ. सिन्हा ने कहा कि विष्णुप्रयाग पहुंचकर सभी कटाव वाले स्थलों को देखा।

हाईवे पर कमेडा से हेलंग तक 20 भूस्खलन क्षेत्र

चमोली। रेल परियोजना के कामों से ग्राम रानौं में क्षतिग्रस्त संपत्तियों के पुनर्निर्माण के लिए ब्लॉक से आगणन तैयार कर क्षतिपूर्ति के लिए रेलवे को उपलब्ध कराने के लिए कहा। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कमेडा से हेलंग तक 20 भूस्खलन क्षेत्र, 11 सिकिंग क्षेत्र का उपचार, दो पुल निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के संबध में गठित समिति शीघ्र आख्या उपलब्ध कराने के आदेश जारी किए गए।

उत्तराखंड : रेड कार्पेट पर चलने वाले पहले 'इंडियन मेल ब्यूटी कंटेंट क्रिएटर' बने अंकुश बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 मई : अंकुश ने पहले भारतीय मेल ब्यूटी कंटेंट क्रिएटर के रूप में कान्स के रेड कार्पेट पर कदम रखा और अपना जलवा बिखेरा। दुनिया के सबसे बड़े इस फैशन इवेंट में दुनियाभर की सुंदरियां और सितारों का जमावड़ा लगा है।फ़्रांस के शहर कांस में , , / ह(ह /0(2 2024 चल रहा है, जिसमें विश्वभर से सितारे पहुंचे हैं।

यह कांस का 77वां एडिशन है और ये 14 मई से 25 मई तक चलने वाला है। यह दुनियाभर का सबसे बड़ा फैशन इवेंट है जिसमें पूरे वर्ल्ड से बड़े-बड़े सितारे पहुंचे हैं। इसके साथ यहाँ पर फिल्म की स्क्रीनिंग भी हो रही है। इसमें भारत से कई कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी पहुंचे है। इनमें से एक हैं उत्तराखंड के अंकुश बहुगुणा जिन्होंने रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरा है। कान्स फिल्म फेस्टिवल दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध फिल्म फेस्टिवल्स में से एक है, जो फ्रांस में हर साल आयोजित किया जाता है।

अंकुश एक फेमस कंटेंट क्रिएटर, इन्फ्लुएंसर और एक्टर हैं। अंकुश ने 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में ब्यूटी कंटेंट क्रिएटर के रूप में रेड कार्पेट पर कदम रखकर अपना जलवा बिखेरा। इसी के साथ अंकुश बहुगुणा कान्स फेस्टिवल में हिस्सा लेने वाले पहले भारतीय मेल ब्यूटी कंटेंट क्रिएटर बन गए हैं।

रेड कार्पेट के लिए उनका कॉस्ट्यूम सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट अक्षय त्यागी ने तैयार किया था। रेड कार्पेट पर अंकुश बहुगुणा एक टक्सीडो पहने नजर आए।अंकुश पहले मेल ब्यूटी क्रिएटर के रूप फोर्ब्स मैगजीन के कवर पर भी जगह बना चुके हैं। फ़ोर्ब्स ने अंकुश को

फोर्ब्स की 2023 में भारत के टॉप डिजिटल क्रिएटर्स की लिस्ट में शामिल किया था। इसके अलावा वर्ष 2023 में अंकुश ने लैक्मे फैशन वीक में रनवे की शुरुआत की थी। अंकुश ने वेब सीरीज ज्वाइंट वेंचर (2019) और बड़बोली भावना (2022) के साथ अभिनय में कदम रखा। वे प्रतिष्ठित पुरस्कार भी हासिल कर चुके हैं।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना में बड़ी कामयाबी, खांकरा-डुंगरीपंथ सुरंग आर-पार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 24 मई : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत रुद्रप्रयाग जिले में खांकरा से डुंगरीपंथ के बीच बन रही यह निकास सुरंग बीते दिन आर-पार हो गई। खांकरा से डुंगरीपंथ के बीच बनने वाली ये निकास सुरंग 5.1 किमी लंबी है।ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंग निर्माण का कार्य कर रही कंपनी मैक्स इंफ्रा (आइ) प्रा.लि. के एचआर ₹राजेंद्र भंडारी₹ ने बताया कि आरवीएनएल, जिला प्रशासन व स्थानीय जनता के सहयोग से रेल परियोजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रयास है ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का कार्य जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा।रेल विकास निगम के वरिष्ठ महाप्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि 16,216 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन 125 किमी लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना जल्द ही पूरी होने वाली है। उन्होंने आगे बताया कि ऋषिकेश से कर्णप्रयाग के बीच नौ पैकेज में कार्य चल रहा है। 20 मई को एक और बड़ी निकास सुरंग आर-पार हो गई। उन्होंने बताया कि 5.1 किमी लंबी निकास सुरंग के साथ बन रही मुख्य सुरंग भी जल्द ही आर-पार हो जाएगी।ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का कार्य वर्ष 2019 में शुरू किया गया था। इसमें लक्ष्य निर्धारित किया गया था कि इस रेल परियोजना का कार्य वर्ष 2025 तक पूर्ण किया जाएगा, और इसके यह रेल 17 सुरंगों से होकर गुजरेगी। इनमे से सबसे लंबी सुरंग 14.08 किमी देवप्रयाग से जनासू के बीच और सबसे छोटी सुरंग 200 मीटर सेवई से कर्णप्रयाग के बीच होगी। 11 सुरंगों की लंबाई छह किमी से अधिक है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत वीरभद्र, योग नगरी ऋषिकेश, जनासू, मलेथा, श्रीनगर (चौरास), शिवपुरी, व्यासी, देवप्रयाग, धारी देवी, गौचर व कर्णप्रयाग (सेवई), रुद्रप्रयाग (सुमेरपुर), घोलतीर में 13 स्टेशन बनने हैं।

ऋषिकेश एम्स में महिला डॉक्टर से छेड़छाड़, पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में आरोपी को किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 24 मई : ऋषिकेश एम्स) से इन दिनों आपराधिक मामले सामने आ रहे हैं। कुछ दिन पहले ही मेडिकल परीक्षा एमडी में नकल कराने के आरोप में एम्स के दो डॉक्टरों को गिफ्तार किया गया था। ये मामला अभी ठंडा हुआ ही था कि, हॉस्पिटल के एक नर्सिंग ऑफिसर द्वारा महिला डॉक्टर के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला डॉक्टर ने कि नर्सिंग ऑफिसर पर शारीरिक उत्पीड़न आरोप लगाया है।

पीड़ित महिला डॉक्टर ने पुलिस को लिखित तहरीर दी थी। तहरीर में उन्होंने 19 मई को ऑपरेशन थिएटर के अंदर उनके साथ हुई घटना के बारे में बताया था। नर्सिंग ऑफिसर सतीश कुमार ने उनके साथ ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी करने के दौरान छेड़छाड़ की। जिसके बाद हॉस्पिटल के सभी डॉक्टरों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हड़ताल शुरू कर दी। एम्स के डॉक्टरों ने हड़ताल कर डीन कार्यालय का घेराव किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल में पहुंची। इसके बाद पुलिस ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपराधी को हिरासत में लिया। अस्पताल में

डॉक्टरों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड के भीतर से गाड़ी को बाहर निकाला।

पुलिस ने बताया कि 21 मई को कोतवाली ऋषिकेश में पीड़ित डॉक्टर ने लिखित तहरीर देकर कहा कि 19 मई को ट्रॉमा ओटी कॉम्प्लेक्स एम्स में नर्सिंग ऑफिसर सतीश कुमार ने उनके साथ शारीरिक उत्पीड़न किया और धमकी दी। आरोपी नर्सिंग ऑफिसर सतीश कुमार राजस्थान का मूल निवासी है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। डॉक्टर की दी गई तहरीर के आधार पर त्वरित कार्रवाई कर केस दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है।उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने मामले की जानकारी लेने के लिए एम्स प्रशासन से मुलाकात की। जांच करने के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग के साथ ही कमेटी बना कर सख्त एक्शन भी लेने को भी कहा है।

संक्षिप्त खबरें

गोपेश्वर में खुला कांग्रेस का जिला कार्यालय

चमोलीर। जिला मुख्यालय गोपेश्वर में गुरुवार को कांग्रेस पार्टी का जिला कार्यालय विधिवत रूप से खुला। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लखपत सिंह बुटोला ने कहा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हमेशा जन सेवा और राष्ट्र के गौरव का भाव रहा है। इस दौरान वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह पंवार,नगर अध्यक्ष योगेंद्र बिष्ट, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद सजवाण, पीसीसी सदस्य अरविंद नेगी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष महिला उषा रावत, मनीष नेगी, ओमप्रकाश नेगी, अनिल कठैत, सुरेश डिमरी, संदीप झिंक्वाण, महेन्द्र नेगी, अरुणा, मुकुल बिष्ट, रितेश बगवाड़ी, मनमोहन ओली, प्रदीप नेगी आदि मौजूद रहे।

काली फिल्म लगी होने पर कार्रवाई

चमोली। गोपेश्वर। पुलिस ने गुरुवार को कार के शीशों पर काली फिल्म लगी होने पर वाहन चालक का चालान किया। वाहन के शीशे पर लगी काली फिल्म उतरवा दी। चौकी प्रभारी नन्दप्रयाग पूनम खत्री उड़ीसा निवासी चालक के खिलाफ एमवी ऐक्ट की धाराओं में चालानी कार्रवाई करते हुए यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। एसपी कार्यालय ने बताया कि जनपद में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

भीरी में कई सालों से बंद पड़े एटीएम खोलने की मांग

रुद्रप्रयाग। भीरी में सालों से बंद पड़े एटीएम से स्थानीय लोगों के साथ ही तीर्थयात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की समस्या को देखते हुए व्यापार संघ भीरी ने लीड बैंक अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र एटीएम सुचारु करने की मांग की है। लीड बैंक अधिकारी को दिए ज्ञापन में व्यापार संघ के भीरी के अध्यक्ष अजवीर पंवार एवं व्यापार संघ के जिला कोषाध्यक्ष राजेश नेगी ने कहा कि भीरी बाजार में बीते कई साल पूर्व एसबीआई का एटीएम लगाया था जो क्षेत्र के 50 गांवों के साथ ही नगरीय क्षेत्र के लोगों को सुविधा देता था किंतु एटीएम के बंद होने से अब लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में यात्रा सीजन होने के चलते यात्रियों को भी एटीएम की जरूरत पड़ती है जबकि स्थानीय लोग भी सुविधा से वंचित है। उन्होंने कहा कि कई बार शासन-प्रशासन के संज्ञान में समस्या लाने के बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने क्षेत्र की समस्या को देखते हुए लीड बैंक अधिकारी को ज्ञापन देते हुए शीघ्र भीरी में एटीएम सुचारु करते करने की मांग की है। लीड बैंक अधिकारी चतर सिंह चौहान ने बताया कि समस्या को हल करने के लिए बैंक अधिकारियों से वार्ता करने का प्रयास किया जाएगा। ताकि लोगों को एटीएम सुविधा मिल सके।

दवाओं के पत्ते पर बनी लाल रंग की लाइन का मतलब जानते है आप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 34 मई : हमारे आसपास जानने के लिए इतना कुछ है, जिसे हम लोग लगभग हर रोज देखते हैं पर हमें ये मालूम नहीं होता कि उनका असल में मतलब किया होता है. दवाओं को ही ले लीजिए. आपने कई बार दवा की दुकानों से दवाएं खरीदी होंगी. ऐसी कई दवाएं आपने देखी होंगी, जिनके पत्तों के ऊपर लाल रंग की लाइनें बनी होती हैं. इन पट्टियों के पीछे बहुत बड़ा कारण होता है, जिसके बारे में शायद ही लोग जानते होंगे. तो चलिए आपको हम बताते हैं। आज हम बात करेंगे दवा के पत्तों पर बनी लाल लाइनों के बारे में. दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी ने दवाओं से जुड़ा ये सवाल किया- "दवाइयों के पत्तों पर लाल रंग की पट्टी क्यों बनी होती है?" सवाल रोचक था, तो हमने सोचा कि आपको इसका उत्तर देते हैं. पर उससे पहले देखते हैं कि लोगों ने इस सवाल का उत्तर क्या दिया।

अजय कुमार नाम के युवक ने कहा- "दवा के पैकेट पर लाल रंग का मतलब है कि दवा बिना डॉक्टर के पर्चे के बेची जा सकती है और न ही डॉक्टर की सलाह और नुस्खे के बिना इस्तेमाल की जा सकती है. एंटीबायोटिक दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए निर्माताओं ने पैकेट पर लाल पट्टी लगा दी. पैकेट पर लाल पट्टी के अलावा और भी कई उपयोगी चीजें लिखी होती हैं जो समान रूप से महत्वपूर्ण होती हैं. कुछ दवाओं पर I 4 लिखा होता है, जिसका मतलब है कि डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही दवा लेनी चाहिए. दवा के कुछ पैकेटों पर I 4 लिखा होता है, जिसका मतलब है कि केवल वही डॉक्टर उन दवाओं के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं जो उन दवाओं को लिख सकते हैं. कुछ दवाओं पर I 4 भी लिखा होता है और इसका मतलब है कि दवा सिर्फ डॉक्टर से ही ली जा सकती है."

जगदीप सिंह नाम के एक यूजर ने कहा- "जिन दवाइयों के पत्तों पर लाल रंग की पट्टी बनी हुई मिलती है वह लाल पट्टी इस बात की ओर संकेत करती है कि आप बिना डॉक्टर की सलाह लिए इस दवाई का प्रयोग ना करें आपके लिए यह दवाई का उपयोग करना खतरे से खेलने के बराबर हो सकता है।

चलिए अब आपको बताते हैं कि विश्वस्नीय सोर्सेज का इसपर क्या कहना है. मुंबई के सबसे प्रसिद्ध कोकिलाबेन अस्पताल की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार जिन दवाओं के पत्तों पर लाल लाइनें बनी होती हैं, उसका अर्थ ये होता है कि वो दवाएं बिना डॉक्टर के परामर्श या उनके पर्चे के ना बेची जा सकती हैं और ना ही खरीदी जा सकती हैं. ऐसी दवाओं का सेवन करने से पहले हमेशा डॉक्टरों से सलाह लेना जरूरी होता है. इस लिहाज से को लोगों के जवाब सही हैं।

गर्मियों में क्यों बढ़ते हैं पेट में इंफेक्शन के मामले, यह वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 24 मई : गर्मी के मौसम में पेट से जुड़ी तमाम समस्याएं होती हैं. सबसे ज्यादा परेशानी पेट में इंफेक्शन की होती है. ये समस्या वायरस के कारण होती है क्योंकि इस मौसम में बैक्टीरिया बहुत ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं. पेट के इन्फेक्शन की इस समस्या को मेडिकल भाषा में वायरल गैस्ट्रोएंट्राइटिस भी कहा जाता है. इसके कारण कई बार आंतों में जलन और सूजन की समस्या हो जाती है और कई बार तो हालत ऐसी हो जाती है कि पानी को भी पचा पाना मुश्किल हो जाता है. आइए जानते हैं आयुर्वेद विशेषज्ञ से जानते हैं क्यों गर्मी में बढ़ जाती है ये समस्या.

ये हो सकती हैं वजहजरूरत से ज्यादा भोजन खा लेनागलत टाइम पर खानाखराब या बासी खाना खा लेनागंदा पानी पीनासाफ-सफाई का ध्यान न रखना

वायरल गैस्ट्रोएंट्राइटिस के समय उल्टी, दस्त, चक्कर, पेट में मरोड़, सिरदर्द, ठंड लगकर बुखार आना और चक्कर आने जैसे लक्षण सामने आते हैं. इन लक्षणों को नजरअंदाज करने से परेशानी काफी बढ़ सकती है.इस मामले में आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. रमाकांत शर्मा कहते हैं कि पेट में इंफेक्शन की समस्या होने पर सबसे पहले खानपान को नियंत्रित करना चाहिए. ऐसे में ज्यादा से ज्यादा लिक्विड डाइट लेनी चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न रहे. साथ ही हल्का और सुपाच्य चीजें खानी चाहिए. ऐसे में मूंग की दाल की खिचड़ी, छाछ, नारियल पानी, मुलायम गूदेदार फल, पुदीना पानी और नमक चीनी का घोल वगैरह लेना चाहिए.अगर समस्या ज्यादा हो रही हो तो बगैर देर करे किसी विशेषज्ञ को परामर्श करें.

पेट में इंफेक्शन होने पर कुछ चीजों को बिल्कुल नहीं खाना चाहिए वरना आपकी समस्या और बढ़ सकती है. ऐसे में मसालेदार खाना, कॉफी, कच्ची सब्जियां, दूध और दूध से बनी चीजें, खट्टी चीजें नहीं खानी चाहिए. इसके अलावा साफ-सफाई का ध्यान रखें. ताजा खाना खाएं.

अल्मोड़ा : IAS दीपक रावत की अतिक्रमण करने वालों को आखिरी वार्निंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 24 मई : कुमाऊं मंडल के कमिश्नर दीपक रावत ने बीते दिन मंडल के सभी जिलाधिकारियों और विभागाध्यक्षों को 15 वर्ष पुराने अतिक्रमण को चिह्नित करने के लिए पूर्व में गठित कमेटी को सक्रिय करने का निर्देश दिए। कुमाऊं में सरकारी संपत्तियों पर किए गए अतिक्रमण को लेकर कुमाऊं कमिश्नर ने सख्त निर्देश दिए हैं।

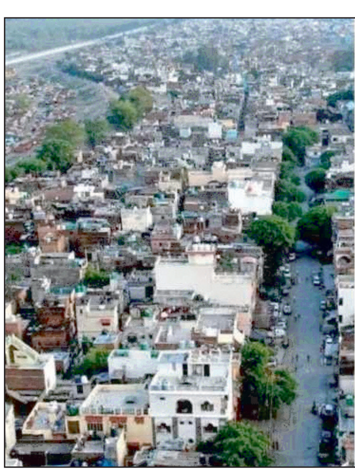

उन्होंने कहा कि विभाग की जिस भी जमीन पर 15 वर्ष पुराना अतिक्रमण होगा। उस जमीन को तत्काल में ही चिह्नित किया जाए।चिह्नित जमीन की रिपोर्ट 15 दिन के भीतर ही प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। 15 दिनों मे रिपोर्ट तैयार करने के लिए संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष और जिलाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन का निर्देश दिए हैं।इसके साथ ही विभागाध्यक्षों को जिम्मेदारी मिली है कि उनके विभाग से संबंधित सरकारी संपत्ति पर किसी की ओर से भी अतिक्रमण नहीं किया जाना चाहिए। अगर किसी भी विभाग से संबंधित जमीन पर कोई कोईऊ अवैध अतिक्रमण होगा तो इसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारी ही जिम्मेदार रहेंगे। कुमाऊं के सभी जिलाधिकारी और विभागाध्यक्ष सख्ती से कमिश्नर दीपक रावत के दिए गए निर्देशों का निर्वहन कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

भेलदेव देवता पूजन कार्यक्रम नौ जून से

रुद्रप्रयाग। तल्लानागपुर क्षेत्र के कुरझण एवं जोंदला गांव के क्षेत्रपाल भेलदेव देवता मंदिर के नव निर्माण के बाद इसके सकलीकरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 9 से 11 जून तक तीन दिवसीय आयोजन में गांव के लोगों के साथ ही प्रवासी निवासी एवं धियाणियां मौजूद रहेंगी। आयोजन के लिए समिति का गठन किया गया है। कुशलानंद पुरोहित को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। कुरझण एवं जोंदला गांव के ग्रामीणों द्वारा अपने संसाधनों से ईष्ट क्षेत्रपाल भेलदेव महाराज के पौराणिक स्थल पर भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है। मंदिर एवं प्रतिमाओं के सकलीकरण अनुष्ठान समारोह को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है। समिति के मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर पुरोहित एवं माहेश्वर पुरोहित ने बताया कि नए मंदिर में 9, 10 और 11 जून को तीन दिवसीय देव प्रतिमाओं का सकलीकरण अनुष्ठान महोत्सव आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों के साथ ही प्रवासी निवासियों में उत्साह है। बताया कि दोनों गांवों की धियाणियों को आमंत्रित किया गया है। जिनके सम्मान में रात्रि को धियाणि सम्मान प्रीतिभोज का आयोजन किया जाएगा। बताया कि महोत्सव की शुरुआत 9 जून को भव्य जल कलश शोभा यात्रा के साथ शुरू होगी। अंतिम दिन 11 जून को भंडारा आयोजित किया जाएगा। प्रसाद वितरण के बाद क्षेत्रपाल देवता के पश्वा द्वारा सभी ग्रामीणों को आशीर्वाद देकर कार्यक्रम का समापन होगा। उन्होंने बताया कि गांव में आयोजन के दौरान बेहतर व्यवस्थाओं के लिए जिलाधिकारी के साथ ही लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान, ग्रामीण निर्माण विभाग, ऊर्जा निगम, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, परिवहन विभाग से एक शिष्टमंडल द्वारा मुलाकात की गई है जिसमें सहयोग की अपेक्षा की गई।

छात्रों को पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के बारे में बताया

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि के खगोल भौतिकी तारामंडल में इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल ने स्टार्टअप के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार और आईपी प्रबंधन पर गुरुवार को कार्यशाला की। बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि के रिसर्च डेवलपमेंट सेंटर (आरडीसी) के निदेशक प्रो. हेमवती नंदन ने वैज्ञानिक स्वभाव के महत्व को समझाया और युवा दिमाग के वैज्ञानिक विकास में अवलोकन के महत्व और जिज्ञासा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। गुरुवार को आयोजत कार्यशाला में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के डॉ. रविंदर कुमार ने पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के बारे में समझाया और स्टार्टअप के संदर्भ में उनके अंतर पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को आविष्कारों, कृतियों और विचारों पर बौद्धिक संपदा अधिकारों की व्याख्या की। आईआईसी के उपाध्यक्ष डॉ. विनीत कुमार मौर्य ने छात्रों को विषय की बेहतर समझ स्थापित करने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार के संदर्भ में अनुसंधान परिप्रेक्ष्य और केस स्टडीज पर चर्चा की। मौके पर जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली प्रो. विनोद, दिल्ली विवि के डॉ. रवि कांत, डॉ. भूपिंदर कुमार आदि मौजूद थे।

लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत से आगे बढ़े छात्र-सुबोध उनियाल

नई टिहरी। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल टिहरी के छात्रसंघ समारोह के समापन अवसर पर छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। मौके पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करने वाले छात्रों को सम्मानित किया।गुरुवार को मुख्य अतिथि उनियाल, परिसर निदेशक प्रो. एए बौड़ाई, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल सहित अन्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। समापन समारोह पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि छात्र अपने लक्ष्य को अभी से निर्धारित कर कड़ी मेहनत से लक्ष्य की ओर बढ़े। इसके साथ ही अन्य गतिविधियों में नाच-गाना, खेल और अन्य फील्ड में भी अपना बेहतर परिणाम देकर अपने परिसर, जनपद व प्रदेश का नाम रोशन करने का काम करें। नरेंद्रनगर के ब्लाक प्रमुख राजेंद्र भंडारी व चंबा की ब्लाक प्रमुख शिवानी बिष्ट ने छात्र संघ तथा परिसर परिवार का आभार जताया। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल और सीएम के जनसंपर्क अधिकारी मुलायम सिंह रावत ने कहा कि छात्रों की कार्यक्रम में प्रतिभागिता से सुकून मिलता है। मौके पर परिसर निदेशक प्रो. एए बौड़ाई, प्रो. डीएस कैंतुरा, प्रो. राकेश चंद्रा, प्रो. एमएस नेगी, प्रो. डीके शर्मा, डा. हंसराज विष्ट, डा. केसी पेटवाल, डा. बीना जोशी, छात्र संघ अध्यक्ष अंशुल, महासचिव नम्रमा मखलोगा, प्रदीप सजवान, अंकित सजवान, बृजेश खाती आदि मौजूद रहे।

अजब-गजब : एक ऐसा गांव जिसमे पिछले 30 सालों से मर्दों की एंट्री है बैन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 24 मई : इस दुनिया में बहुत सारी ऐसी जगहें हैं, जिनकी संस्कृति और उनके रहस्य के बारे में विश्वास करना एक बार में संभव नहीं होता है। आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस गांव में पिछले 30 सालों से मर्दों की एंट्री बैन है, लेकिन इसके बाद भी यहां की महिलाएं प्रेग्नेंट हो जाती हैं।

साउथ अफ्रीका में एक गांव है उमोजा। इस गांव में सिर्फ महिलाओं को ही रहने की इजाजत है। समबुरू मासाई जनजाति से संबंधित ये महिलाएं एक समान भाषा बोलती हैं। इस गांव में पिछले 30 साल से किसी मर्द ने कदम नहीं रखा है। दरअसल, गांव की महिलाओं ने यहां मर्दों की एंट्री को प्रतिबंधित कर रखा है। गांव में इस समय कुल 250 महिलाएं हैं। यह गांव घनघोर जंगलों के बीच बसा है। बता दें कि सालों पहले यहां बिट्रिश सैनिक आए थे। उन्होंने भेड़-बकरियां चरा रही कई महिलाओं का रेप कर दिया था। इससे उन महिलाओं को पुरुषों से घृणा हो गई थी।

इसके बाद 15 महिलाओं ने मिलकर पुरुष जाति से अलग अपनी दुनिया बसाने का निर्णय लिया। इन महिलाओं ने इस गांव में पुरुषों की एंट्री पर बैन लगा दिया था। अब आप सोच रहे होंगे कि जब पुरुष आते ही नहीं तो यहां की महिलाएं प्रेग्नेंट कैसे हो जाती हैं। बता दें कि यह किसी चमत्कार की वजह से नहीं होता है। बल्कि रात के अंधेरे में जंगल से चोरी छिपे मर्द यहां गांव के बाहर आ जाते हैं। इसके बाद यंग महिलाएं उन मर्दों में से अपने लिए पुरुष पसंद करती हैं। वह उनके साथ यौन संबंध बनाती हैं। ये महिलाएं तब तक इन मर्दों के संपर्क में रहती हैं, जब तक प्रेग्नेंट नहीं हो जाती हैं।

जैसे ही महिलाएं प्रेग्नेंट हो जाती है, वैसे ही उस पुरुष से सारे रिश्ते खत्म कर देती है। इसके बाद जब बच्चे का जन्म होता है तो उसकी देखभाल अकेले करती हैं। अकेले ही वह मेहनत करके पैसे कमाती हैं और अपना और अपने बच्चे का जीवन चलाती हैं। महिलाएं अपने बच्चों को भी नहीं बताती हैं कि उनके पिता कौन हैं, उमोजा गांव में बाल विवाह, घरेलू हिंसा और बलात्कार पीड़ित महिलाएं रहती हैं। समबुरू के घास के मैदानों के बीच बसे गांव में पारंपरिक वेशभूषा में रहने वाली महिलाओं ने बच्चों का स्कूल भी खोला हुआ है।

शराबी, शरारती और महिलाओं को रिझाने वाले 'कालिया' बंदर को मिली उम्रकैद की सजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 24 मई : इंसानों को उम्र कैद की सजा तो आपने सुनी होगी, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि यूपी के कानपुर जिले में एक बंदर को भी उम्रकैद की सजा मिली है. कानपुर प्राणि उद्यान में पिछले पांच सालों से पिंजरे में कैद कालिया नाम के बंदर को उम्र कैद मिली है. मिर्जापुर से पकड़ कर इस आतंकी बंदर को यहां लाया गया था, जिसके व्यवहार में अब तक कोई सुधार नहीं आया है. इस बंदर 'कालिया' का आतंक इस कदर था कि महिलाएं और बच्चे उसके नाम से दहशत खाते थे।

आपको बता दें कि यूपी के मिर्जापुर में 5 साल पहले एक बंदर ने जमकर आतंक मचा रखा था. इस बंदर ने लगभग 250 महिलाओं और बच्चों को अपना निशाना बनाकर गंभीर रूप से घायल किया था. तमाम प्रयासों के बाद भी बंदर को पकड़ा नहीं जा सका. जिसके बाद कानपुर प्राणी उद्यान की टीम ने उसको मिर्जापुर से पकड़ा था. वैसे तो कानपुर चिड़ियाघर में कई उत्पाती बंदर बंद हैं, जिनको अब रिहा करने की तैयारी भी है. लेकिन कालिया को रिहा बिल्कुल नहीं किया जाएगा.

दरअसल उसके स्वभाव में सुधार नहीं आया. वह अभी भी पहले की तरह ही आक्रामक है. कालिया महिलाओं के लिए खौफ का पर्याय बना हुआ था.वह महिलाओं को देखकर तरह तरह के भद्दे इशारे किया करता था. बंदर महिलाओं को इशारे करने के साथ ही मन ही मन बुदबुदाने लगता था. 5 साल उसको कैद में रहते हुए हो गए लेकिन अभी भी वह अटैक करने को दौड़ता है. जिस वजह से उसको गेट के बाहर नहीं निकाला जा सकता. चिड़ियाघर के डॉ नासिर ने बताया 'कालिया' को एक तांत्रिक ने पाला था. वह उसे खाने में मांस और पीने के लिए दारू देता था. जिसके चलते उसका स्वभाव बहुत हिंसक हो गया. वहीं जब तांत्रिक की मौत के बाद लोगों के ऊपर अटैक करने लगा था.उसे पांच साल पहले मिर्जापुर से पकड़ कर चिड़ियाघर लाया गया था.

इन आदतों की वजह से आ सकती है दोस्ती में दरार, कहीं आप भी नहीं करते ऐसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 24 मई : दोस्ती का रिश्ता हर किसी के लिए बहुत ही खास होता है। वो दोस्त ही तो होते हैं, जिनसे आप अपनी हर एक बात दिल खोलकर, बिंदास होकर शेयर कर सकते हैं। इस चीज का पूरा यकीन होता है कि दोस्त आपको किसी भी बात पर जज नहीं करेंगे, लेकिन दोस्ती के कुछ अपने रूल्स भी होते हैं, जिन्हें इस रिश्ते में नजर अंदाज करना दोस्ती में दूरियों की वजह बन सकता है। तो कौन सी हैं वो आदतें, जो दोस्ती के रिश्ते में ला सकती हैं कड़वाहट, जान लें यहां।

दोस्ती का सबसे पहला रूल होता है कि न आप अपने दोस्त की बुराई करेंगे और न ही कोई और करे तो आपको सुनना चाहिए। अगर आपको आपके दोस्त की कोई आदत अच्छी नहीं लगती, तो उसके मुंह पर बोलें, पीठ पीछे बात करने की आदत छोड़ दें। सोचिए आपकी इस आदत से दोस्त को कितनी ठेस पहुंचेगी। ऑफिस, कॉलेज या घर के आसपास कोई आपका सच्चा दोस्त है, तो उससे झूठ बोलने की गलती न करें। ऐसे में जब आपके दोस्त को सच्चाई पता लगती है, तो उसे दुख पहुंचता है और यहीं से दोस्ती का रिश्ते में दरार आने लगती है। दोस्ती में बिंदास होकर सच बोलना चाहिए क्योंकि दोस्त आपको जज नहीं करते, उल्टा आपका साथ देते हैं। हां, वैसे तो दोस्ती में मौज-मस्ती, एक-दूसरे की टांग खिंचने का सिलसिला चलता रहता है, लेकिन कई बार ये मौज-मस्ती एक-दूसरे को नीचा दिखाने में तब्दील हो जाती है। दोस्ती में अगर कोई एक दूसरे को किसी को नीचा दिखाने की कोशिश करता है, तो साफ है कि ये दोस्ती लंबे समय तक नहीं चलने वाली। अगर आपका दोस्त आपको अपना अजीज समझकर कुछ पर्सनल बातें शेयर करता है, तो उसे अपने तक ही रखें, लेकिन कई बार जानबूझकर, तो कभी मस्ती या शरारत में हम वो बातें दूसरों से शेयर कर देते हैं। ये आदत बहुत ही खराब होती है और ये दोस्ती टूटने की एक बड़ी वजह हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

कोमल को राड्स संस्था ने नवाजा

नई टिहरी। शराब नहीं, संस्कार दो मुहिम से प्रेरित कोमल ने अपनी शादी में शराब नहीं चलने दी। मेहंदी की रस्म में काकटेल पार्टी पर रोक लगाई। जिसके लिए राड्स संस्था ने कोमल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सुशील बहुगुणा, कुम्भीबाला भट्ट, लक्ष्मी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

देवप्रयाग में जैव विविधता बढ़ाने पर दिया जोर

नई टिहरी। राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग में गुरुवार को नमामि गंगे समिति के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने जैव विविधता को बढ़ाने को लेकर मंथन किया।महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ नामामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. सुबोध कुमार और डॉ. दिनेश कुमार टम्टा ने प्राचार्य डॉ. अर्चना धपवाल को लेमन ग्रास का पौधा भेंट किया। कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता जंतु विज्ञान की विभागाध्य डॉ. आदिल कुरैशी ने कहा कि जैव विविधता के रूप में लाखों प्रजाति के जीव और वनस्पति धरती पर मौजूद हैं। मनुष्य के कारण इनको आपस में जोड़ने वाली प्राकृतिक कड़ियां टूट रही हैं, जो चिंता का विषय है। पर्यावरण व मानव जाति के अस्तित्व के लिए जैव विविधता के उच्च स्तर को रखना जरूरी है। डॉ. सुबोध कुमार ने कहा कि घरों में बगीचे लगाना जैव विविधता बढ़ाने का सरल तरीका है। वन्य जीव अभयारण्य और चिड़ियाघर इसकी संरक्षण करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग कई प्रजातियों के विलुप्त होने का कारण है। प्राचार्य डॉ. अर्चना धपवाल ने छात्रों को जैव विविधता को संतुलित रखने को लेकर प्रेरित किया।

वाहन दुर्घटना में चालक की मौत

नई टिहरी। चंबा थाने के तहत चंबा से धनोल्टी जा रहा वाहन कद्दूखाल के पास गुरुवार को तड़के अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें एक मात्र सवार चालक सुमन (32) पुत्र शूरवीर सिंह निवासी ग्राम सिवालीपातल तहसील कंडीसौड़ (टिहरी) की मौके पर ही मौत हो गई।चंबा थानाध्यक्ष लखपत सिंह बुटोला ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ मौके पर पहुंची। टीम को चालक मौके पर ही मृत मिला। घटना की सूचना परिजनों का देते हुए पंचनामे और पीएम के साथ अन्य आवश्यक कार्रवाई की गई। टीम में आरक्षी राकेश रावत आदि शामिल रहे।

एसडीओ ने किया क्रू-स्टेशन का निरीक्षण

नई टिहरी। नैनबाग की भद्रीगाड़ रेंज में वनाग्नि की घटनाओं को रोकने को लेकर एसडीओ दिनेश नौटियाल ने गुरुवार को क्रू- स्टेशन का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने वन कर्मियों अर्लट मोड पर रहने के निर्देश दिए। एसडीओ नौडियाल ने कहा कि बद्रीगाड रेंज कि वन फारेस्ट लैंड क्षेत्र में आग की घटनाएं ना के बराबर हुई हैं। जो कि फायर सीजन में ग्राम वासियों को दी गई ट्रेनिंग और उनके आपसी तालमेल का ही नजीता है। कहा कि वनाग्नि को लेकर विभाग व ग्रामीण मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों का आभार जताते हुए आगे भी सहयोग की अपील की।

श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा

नई टिहरी। पीड़ी पर्वत पर चल रही श्रीमद् देवी भागवत पुराण और श्रीमद्भागवत कथा का गुरुवार को हवन, यज्ञ और प्रसाद वितरण के साथ समापन हो गया। समापन पर दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने व्यास गद्दी और भराड़ी माता से सुख समृद्धि का आशीर्वाद लिया। मौके पर कथा वक्ता शक्ति प्रसाद डंगवाल, चंद्रकांत बडोनी, भराड़ी मां सेवा समिति के सचिव भगवती प्रसाद नौटियाल, नत्थी सिंह बगियाल, चंद्र किशोर भट्ट सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हाईकोर्ट शिफ्टिंग पर राज्य सरकार स्पष्ट करें अपना रुख

देहरादून। हाईकोर्ट शिफ्टिंग को लेकर वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी ने सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की हैं। उन्होंने गुरुवार को देहरादून में राज्य आंदोलनकारी मंच के साथ ही विभिन्न संगठनों के साथ मुलाकात की। कहा कि हाईकोर्ट शिफ्टिंग को लेकर राज्य को गढ़वाल-कुमाऊं में बांटने का भी विरोध किया। प्रभात ध्यानी ने दून में राज्य आंदोलनकारी मंच के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती व अन्य आंदोलनकारी एवं सामाजिक संगठनों के लोगों से मुलाकात के बाद जारी बयान में कहा कि, हाईकोर्ट शिफ्टिंग को लेकर कुमाऊं गढ़वाल को बांटने की साजिश को नाकाम करने के लिए सभी को आगे आना होगा। राज्य गठन के पीछे उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पर्वतीय क्षेत्र के विकास, स्थाई राजधानी गैरसैंण सहित सचिवालय, उच्च न्यायालय एवं समस्त विभागों के कार्यालयों को गैरसैंण स्थापित करने का संकल्प लिया गया था। लेकिन राज्य अपने गठन के बाद से ही राजनैतिक दलों की साजिशों का शिकार होता आया है। पहले जन भावनाओं के खिलाफ दून में अस्थाई राजधानी, नैनीताल में उच्च न्यायालय गठन का फैसला लिया गया।

4 प्राईवेट बस, 75 वाहनों का चालान और 1 बस को परिवहन विभाग ने किया सीज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चंपावत,24 ,मई यातायात नियमों के उल्लंघन में परिवहन विभाग ने 75 वाहनों के चालान किये और 1 प्राईवेट बस को सीज किया।परिवहन विभाग के इन्टरसेप्टर वाहन और टास्कफोर्स को यात्रा सीजन को देखते हुए लगातार प्रवर्तन कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये हैं, जिसके क्रम में बीते दिन विभिन्न प्रकार के वाहनों के अलग-अलग अभियोगों में चालान किये हैं, जिनमें 4 प्राईवेट बसों का भी चालान किया गया है।

तेज़ गति से दौड़ रहे 20 ओवरस्पीड वाहनों के चालान करने के साथ-साथ उनके लाईसेन्स के विरूद्ध भी कार्यवाही की संस्तुति परिवहन विभाग ने की है।

नियम विरुद्ध चल रहे प्राइवेट वाहनों पर कसा शिकंजा : चम्पावत के गुरुद्वारा श्री रीठा साहिब में 23 तारीख को लगने वाले जोड़ मेले के दृष्टिगत एआरटीओ प्रवर्तन रश्मि भट्ट द्वारा हल्द्वानी-खनस्यू-पतलोट-मिडार रीठा साहिब मार्ग में प्रवर्तन कार्यवाही करते हुये ओवरलोड, बिना फिटनेस एवं बिना टैक्स में 12 वाहनों के चालान किये गये हैं। सभी प्रवर्तन दलों को नियम विरुद्ध संचालित प्राईवेट बसों पर लगातार कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं।

संपादकीय

ओबीसी प्रमाणपत्र 'अवैध'

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में, 2010 के बाद, सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को निरस्त कर दिया है। इस संबंध में सभी सूचियों को भी अवैध और अमान्य करार दिया गया है। दरअसल 5 मार्च, 2010 से 11 मई, 2012 तक जिन 42 वर्गों को ओबीसी प्रमाणपत्र दिए गए, उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के उन आदेशों को भी रद्द कर दिया है। ममता बनर्जी मई, 2011 में सत्ता में आई थीं, लिहाजा उनके कार्यकाल में भी दिए गए ओबीसी प्रमाणपत्र 'असंवैधानिक' करार दे दिए गए हैं। यकीनन यह ममता सरकार के लिए गंभीर धक्का है। अदालत के फैसले से करीब 5 लाख ओबीसी प्रमाणपत्र निरस्त हुए हैं। हालांकि जो पहले ही ऐसे आरक्षण का लाभ ले चुके हैं अथवा नौकरियों, सेवाओं में कार्यरत हैं या भर्तियों में चयन हो चुका है, वे अदालत के फैसले से अप्रभावी रहेंगे। मार्च, 2010 से पहले भी ओबीसी के 66 वर्गों में जो वर्गीकृत किए जा चुके हैं, उनसे जुड़े सरकार के कार्यकारी आदेश में भी अदालत ने हस्तक्षेप नहीं किया है, क्योंकि जनहित याचिकाओं में उनकी पहचान और वर्गीकरण को चुनौती नहीं दी गई है। अलबत्ता उच्च अदालत का जो फैसला सार्वजनिक हुआ है, उसमें मुसलमानों के ओबीसी दर्जे और आरक्षण का कोई उल्लेख नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी चुनाव-प्रचार में यह मुद्दा शिद्दत से उठाते रहे हैं कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल वोट बैंक और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते आए हैं। अदालत का यह फैसला उनके गाल पर करारा तमाचा है। गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने वोट बैंक के लिए पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लूटना चाहती हैं और उसे मुस्लिम समुदाय को देना चाहती हैं। ममता बनर्जी सरकार ने बिना कोई उचित सर्वे किए 118 मुस्लिम वर्गों को ओबीसी बनाया और फिर आरक्षण भी दिया। उसके लिए राष्ट्रीय पिछड़ा जाति आयोग के अधिनियम, 1993 के तहत पिछड़ा आयोग की कोई सलाह भी नहीं ली, जबकि राज्य सरकार के लिए ऐसा करना बाध्यता है।'' बहरहाल यह अपनी-अपनी राजनीति है। अदालती फैसले में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि बंगाल में मुसलमानों या घुसपैठियों को ओबीसी का दर्जा दिया गया और फिर आरक्षण सुनिश्चित कर 'वोट बैंक' तैयार कर लिया गया। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ के सामने यह मामला आया था, जिसमें ओबीसी के 77 समूहों की पहचान और वर्गीकरण को चुनौती दी गई थी। खंडपीठ ने कहा कि उन समुदायों का डाटा नहीं दिया गया, जिनके आधार पर बंगाल सरकार मानती है कि राज्य सरकार की सेवाओं में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। एक समुदाय को सिर्फ पिछड़ेपन के आधार पर ही ओबीसी घोषित नहीं किया जा सकता। वे वैज्ञानिक और पहचान योग्य डाटा के आधार पर ही ओबीसी में हैं। समुदायों के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व, जनसंख्या तथा अन्य अनारक्षित जमातों को भी शामिल करते हुए आकलन करना जरूरी है। खंडपीठ का यह भी मानना था कि ओबीसी के ऐसे प्रमाणपत्र पिछड़ा वर्ग आयोग की कोई भी सलाह लिए बिना ही जारी किए गए। तृणमूल कांग्रेस के अभी तक के कार्यकाल में जितने भी ओबीसी प्रमाणपत्र दिए गए हैं, खंडपीठ ने सभी को अमान्य घोषित कर दिया है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : ु बबHद्व /2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** d (, (), 3 /2(.1/@ (. -
Website : 3 3 3 ., 3 /2(.1/, ß -.). - **YouTube :** ब 3/ (.1/
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

निर्वतान पार्षदों ने की बरसाती नदी की सफाई समय से करने की मांग

हरिद्वार। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर आयुक्त से आगामी मानसून से पहले संभावित जलभराव को देखते हुए ललतारौ नदी की सफाई की मांग की है।निवर्तमान पार्षद विनीत जौली और अनिरुद्ध भाटी ने कहा कि बिल्केश्वर में ललतारौ नदी जंगल से निकलकर मनसा देवी मार्ग, ललतारौ पुल होकर बिरला घाट पर गंगा में मितली है। बिल्केश्वर कालोनी से लेकर बिरला घाट तक ललतारौ मलबे और कूड़े से अटी पड़ी है। इसमें जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। इस कारण वर्षा ऋतु में ललतारौ पुल, श्रवणनाथ नगर, झलकारी बस्ती, बाल्मीकि बस्ती, मंशा देवी मार्ग, हिमालय डिपो वाली गली पर जलभराव का संकट हो सकता है। इसके चलते ललतारौ की सफाई कराई जानी जरूरी है। उन्होंने सेनेटरी इंस्पेक्टर श्रीकांत को इस बारे में ज्ञापन सौंपा।

नये पदाधिकारियों का चयन 20 जुलाई को

हरिद्वार। राजकीय प्राथमिक शिक्षक एसोसिएशन की गुरुवार को कनखल स्थित कार्यालय में हुई बैठक में वार्षिकोत्सव, अधिवेशन और 20 जुलाई को एसोसिएशन के नये पदाधिकारियों के चयन को लेकर विचार-विमार्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि विगत 4 वर्षों में संगठन ने शिक्षा एवं शिक्षकों के हित में दर्जनों काम किए हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जुलाई में यूनियन अपने 4 साल पूरे कर रही है। इसलिए यह वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

संगठन के महामंत्री दर्शन सिंह पंवार ने आय व्यय से संबंधित दस्तावेज पेश किए। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को संगठन अधिवेशन के माध्यम से नए पदाधिकारियों का चयन करेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में इस वर्ष सेवानिवृत हुए शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं जिन शिक्षकों के बच्चों ने परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, उनको भी यूनियन सम्मानित करेगी। इस मौके पर विभिन्न विकासखंडों से आए पदाधिकारियों ने भी विचार व्यक्त किये। बैठक में संरक्षक कुलदीप सिंह, चन्द्रकान्त बिष्ट, जहिद आलम, अनिल कुमार शर्मा, रूपक राज, डॉ. शिवा अग्रवाल, युसुफ, गोपाल भट्टाचार्य, ऋतुराज, अमर क्रांति, धर्मेन्द्र भास्कर, प्रमोद अधाना, अवधेश पालीवाल, सोमपाल सिंह, रवि गोस्वामी, शरद भारद्वाज, अमरेश कुमार, विजय प्रताप सिंह, अजय कुमार, रजनीश कुमार, नितिन कुमार, सुरेश पाल, गेन्दा सिंह, मौ. गुलजार, सुनील कुमार, हरबीर सिंह, अजय कुमार सिंह, राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री दर्शन सिंह पंवार ने किया।

संक्षिप्त खबरें

सरकारी अस्पतालों में ओपीडी बंद होने से मरीजों को नहीं मिला उपचार

हरिद्वार। सार्वजनिक अवकाश के चलते गुरुवार को जिला मुख्यालय के सभी पांच सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर अवकाश पर रहे। इसके चलते ओपीडी सेवाएं ठप रही। सार्वजनिक अवकाश के चलते गुरुवार को जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल, मेला अस्पताल, उत्तरी हरिद्वार और ज्वालापुर सीएचसी के डॉक्टर अवकाश पर रहे। मरीजों को उपचार नहीं मिलने से परिजन भी काफी निराश दिखे। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के सार्वजनिक अवकाश के दिन अवकाश रखने के फैसले का असर पड़ रहा है। डॉक्टरों के अवकाश के चलते सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवा पूरी तरह बंद रही।

गंगा घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं

हरिद्वार। गंगा घाटों पर आए दिन घट रही घटनाओं को देखते हुए सभी घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से संयुक्त रूप से की है। साथ ही महिलाओं के चेंजिंग रूम के पास राज्य पर्यटन पुलिस, सामान्य पुलिस की तैनाती की मांग भी की है। संजय चोपड़ा ने कहा कि हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए देश-दुनिया से आने वाले तीर्थ यात्रियों की बढ़ोतरी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जिसके चलते गंगा घाटों पर उठाई गिरोह चोरी की घटनाएं को अंजाम दे रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए सरकार की और से सीसीटीवी कैमरे से निगरानी और पर्यटन पुलिस, सामान्य पुलिस की तैनाती किया जाना न्याय संगत होगा। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला 2021 में मेला प्रशासन द्वारा मां गंगा के घाटों पर महिलाओं के लिए जो चेंजिंग रूम बनाए गए थे। वह सभी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं जिससे गंगा स्नान कर रही महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संजय चोपड़ा ने कहा शीघ्र ही उत्तराखंड पर्यटन विभाग द्वारा गंगा के समस्त घाटों पर प्राथमिकता के आधार पर महिला चेंजिंग रूम बनाया जाना नितांत आवश्यक है। इस दौरान व्यापारी नेता राजेश खुराना, कुंवर सिंह मंडवाल, राधेश्याम रतूड़ी, सुंदरलाल राजपूत, राजेश दुआ, अवधेश कोटियाल, चंदन सिंह रावत, जय सिंह, पंडित मनीष शर्मा, पंडित चंद्र प्रकाश शर्मा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

घर के बाहर से स्कूटर चोरी, केस दर्ज

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में एक घर के बाहर खड़ा स्कूटर चोरी हो गया। पुलिस ने गुरुवार को मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी में एक युवक लॉक तोड़कर स्कूटर चोरी करता दिख रहा है, जिसकी पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में आकांशा कांबोज पत्नी ऋषभ कांबोल हरिलोक कॉलोनी ज्वालापुर ने शिकायत देकर बताया कि 21 मई को दोपहर में घर के बाहर स्कूटर खड़ा था। कुछ देर बाद बाहर आकर देखा तो स्कूटर गायब था। कोतवाली प्रभारी रमेश सिंह तनवार ने बताया कि जल्द वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बुद्ध पूर्णिमाः पार्किंग फुल, हाईवे पर लगा जाम

हरिद्वार। बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व के कारण गुरुवार हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। हरकी पैड़ी गंगा घाट पर सुबह से ही श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाते दिखे। दोपहर से पहले ही हरिद्वार की मुख्य पार्किंग फुल हो गई थी,जबकि हाईवे पर वाहनों की संख्या अधिक होने से जाम लग गया।हरकी पैड़ी और आसपास के गंगा घाटों पर सुबह से शाम तक स्नान करने वालों का सिलसिला जारी रहा। बाजार और गंगा घाट यात्रियों से भरे रहे। हरकी पैड़ी के आसपास के मोती बाजार, बड़ा बाजार, अपर रोड बाजार आदि में यात्रियों की भीड़ रही। हरकी पैड़ी के आसपास की पार्किंग वाहनों से खचाखच भरी रही।

विद्युत आपूर्ति बाधित होने से व्यापारियों में रोष

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल ने खड़खड़ी, भूपतवाला, मुख्य बाजारों और मोहल्लों में पांच घंटे तक बिजली कटौती पर नाराजगी जताई है। मंडल ने गुरुवार को सीए को दोबारा पत्र भेजकर बताया है कि उनके आदेश की अवहेलना कर बुधवार रात में फिर से इन इलाकों में बिजली कटौती की गई। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने पत्र में बताया कि बुधवार रात्रि में खड़खड़ी, भूपतवाला, मुख्य बाजारों और मोहल्लों में बिजली कटौती से लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। कहा कि भूपतवाला और पंतदीप क्षेत्र में रात्रि में रोजाना बिजली कटौती चल रही है।

जून का रजिस्ट्रेशन मई का बताकर यात्रा पर भेजा, केस दर्ज

हरिद्वार। महाराष्ट्र के यात्रियों को चारधाम यात्रा का फर्जी रजिस्ट्रेशन कर 96 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। बैरागी कैंप में रजिस्ट्रेशन चेकिंग के दौरान पुलिस ने फर्जी रजिस्ट्रेशन का मामला पकड़ा था। आरोप है कि 21 जून से 26 जून की जगह छेड़छाड़ कर 21 मई से 26 मई का रजिस्ट्रेशन दिया गया था। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि महाराष्ट्र के लाथूर जिला निवासी पुष्कर थिटे ने बुधवार को शिकायत कर बताया कि इंस्टाग्राम पर 18 अप्रैल को चारधाम यात्रा के लिए एक्सप्लोर राहे टूर एंड ट्रेवल कंपनी से संपर्क किया। मोबाइल नंबर पर सपंर्क साधने पर ट्रेवल एजेंसी के सुमित से बात हुई। उसने यात्रा पैकेज में दो गाड़ियां, ठहरने के लिए होटल और यात्रा रजिस्ट्रेशन की कीमत 1.32 लाख बताई।

बैठक में एक हजार रुपये प्रति माह वेतन वृद्धि का सुझाव रखा

हरिद्वार। सिडकुल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन उत्तराखंड के पदाधिकारियों ने गुरुवार को सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय पहुंचकर उप श्रम आयुक्त केके गुप्ता के साथ बैठक की। बैठक में नया न्यूनतम वेतनमान लागू करने पर चर्चा की गई। इस दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कंपनियों के कर्मचारियों को अंतरिम राहत के तौर पर एक हजार रुपये प्रति माह वेतन वृद्धि देने का सुझाव रखा। सुझाव सभी कंपनियों को उप श्रम आयुक्त के माध्यम से भेजा जाएगा। गुरुवार को बैठक के दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग और महामंत्री राज अरोड़ा ने बताया की राज्य सरकार के नए न्यूनतम वेतनमान वृद्धि के विषय पर सुनवाई उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। इस विषय को लेकर विभिन्न कंपनियों के कर्मचारी धरना प्रदर्शन कर रहे है। वेतन वृद्धि लागू करने के विषय पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उप श्रम आयुक्त के साथ बैठक की। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए अंतरिम राहत के तौर पर एक हजार रुपये प्रति माह वृद्धि दिए जाने का सुझाव बैठक में रखा। उच्च न्यायालय का निर्णय आने पर जो भी आदेश न्यायालय देगा, उसी के आधार पर इस लागू किया जाएगा। आदेश सभी कंपनियों को मान्य होगा। न्यायालय के आदेश के अनुसार कर्मचारियों को भुगतान किया जाएगा। सुझाव सभी कंपनियों को भेजा जा रहा है, ताकि कंपनियों के कर्मचारियों को राहत मिले। बताया की नया न्यूनतम वेतनमान सिर्फ नॉन इंजीनियरिंग कंपनियों पर ही लागू होगा। क्योंकि इंजीनियरिंग और कृषि क्षेत्र की कंपनियों में वेतन वृद्धि का निर्णय राज्य सरकार द्वारा अभी लिया जाना लंबित है।

पौड़ी के कई गांवों में चोरी करने वाला शातिर चोर पौड़ी पुलिस के चंगुल में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 24 मई : थाना थलीसैंण में वादिनी महेश्वरी देवी पत्नी स्व0 जयपाल सिंह नि0 ग्राम तिमली पट्टी खाटली, तहसील बीरोंखाल थाना थलीसैंण जनपद पौड़ी गढ़वाल ने शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि किसी अज्ञात व्यक्ति नें उनके घर का ताला तोड़कर गहने व बर्तन चोरी कर लिये हैं। इस शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना थलीसैंण पर मु0अ0सं0-02/24, धारा- 457,380 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

1. थाना रिखणीखाल में वादिनी सरोजनी देवी पत्नी स्व0 राजे सिंह नेगी नि0 ग्राम डाबरी वल्ली, थाना रिखणीखाल जनपद पौड़ी गढ़वाल ने थाना रिखणीखाल पर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने वादिनी के घर का ताला तोड़कर कीमती सामान व गहने चोरी कर लिए हैं। इस शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना रिखणीखाल पर मु0अ0सं0-14/24, धारा 457,380 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

2. वादिनी रोशनी पत्नी चतर सिंह, नि0 ग्राम घोटाला, पो0ओ0 अंगणी, थाना रिखणीखाल पौडी शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय घोटाले का ताला तोडकर अज्ञात चोर द्वारा सरकारी राशन व नगदी चोरी कर लिये गये हैं। इस शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना रिखणीखाल पर मु0अ0सं0-16/24, धारा- 457,380 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

जनपद के दूरस्थ गांवों में एक के बाद एक हो रही चोरी की घटनाओं का तत्काल संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा कई टीमों का गठन कर चोरी की घटनाओं का शीघ्र अनावरण कर अभियोगों का सफल निस्तारण करते हुए घटना में संलिप्त अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु आदेशित किया गया।जिसके क्रम में जया बलोनी अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार के निर्देशन, अनुज कुमार क्षेत्राधिकारी सदर पौड़ी, विभव सैनी क्षेत्राधिकारी कोटद्वार, के पर्यवेक्षण, सीआईयू प्रभारी, थानाध्यक्ष रिखणीखाल, थानाध्यक्ष सतपुली व थानाध्यक्ष थलीसैंण के नेतृत्व में 03 पुलिस टीमों का गठन किया गया।

प्रथम टीम द्वारा जनपद में लगातार बाहरी मजदूरों एवं फड फेरी वालो का भौतिक सत्यापन किया गया। द्वितीय टीम द्वारा लगभग 500 सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग चेक की गयी तथा तृतीय टीम द्वारा सर्विलांस पर कार्य किया गया। गठित टीमों द्वारा अथक प्रयास कर ठोस सुरागरसी पतारसी करते हुए अभियुक्त विशन सिंह रावत पुत्र धर्म सिंह रावत को सिद्ध खाल तिराहा रिखणीखाल के पास से मय चोरी किये गये सामान के साथ गिरफ्तार किया गया।

अपराध करने का तरीका-

अभियुक्त ने पूछताछ करने पर बताया कि सभी चोरियों को वह अकेले अंजाम देता है। चोरी करने से पूर्व वह ऐसे घरों को टारगेट करता है जो कई दिन से बंद रहते है, दिन में वह उन बंद मकानों ढंग से रेकी कर लेता है। तत्पश्चात रात्रि में उन बंद घरों/मकान/स्कूल के ताले सब्बल/सरिया से तोड़ता है फिर घर का कीमती सामान समेट लेता है उसके बाद उसी घर में आराम से खाना बनाता है और खाना खाने के पश्चात रात्रि में ही जंगल के रास्ते पैदल चलकर चोरी के माल को छुपा लेता था और फिर अन्य दूसरे गांव में जाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है, उसके पश्चात यह बीच-बीच में हरिद्वार भी चला जाता था। इसके द्वारा गांवों के अन्य कई घरों में भी ताले तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया था।बरामद मालः-

मु0अ0सं0-14/24, धारा 457/380/411 भादवि थाना रिखणीखाल 01. एक सोने की चेन 02. दो अंगूठी सोना 03 . एक जोड़ी कुण्डल सोना धातु 04. दो जोड़ी कान की बाली सोना धातु 05. दो जोड़े चांदी के धगुले06. दो जोड़ी पायल चांदी धातु 07. 10 रुपये के नोटों की माला कुल-02

पुलिस टीम-

टीम सीआईयूः-1. उ0नि0 कमलेश शर्मा, प्रभारी सीआईयू 2. अ0उ0नि0 अहसान अली3. अ0उ0नि0 सुशील चैधरी4. मुख्य आरक्षी संतोष5. मुख्य आरक्षी शशीकांत त्यागी6. मुख्य आरक्षी उत्तम7. आरक्षी हरीश लाल (सर्विलांस)8. आरक्षी 202 राहुल

खामियों का ठीकरा अफसरों के सर फोड़ना गलत : सूर्यकांत धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 मई : भाजपा नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत शायद यह भूल गए हैं कि वे वर्ष २०१७ से वर्ष २०२१ तक चार वर्ष से मात्र ९ दिन कम उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रहे और शायद उनको यह इल्म नहीं कि आज भी उत्तराखंड में भाजपा की सरकार चल रही है जिसके मुख्यमंत्री धामी हैं अन्यथा वे उत्तराखंड में चार धाम यात्रा की व्यवस्थाओं के चरमराने का आरोप अधिकारियों के सर नहीं मढ़ते यह बात उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कही। आपको बता दें कि कल ही पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अपने एक बयान में राज्य में चल रही चार धाम यात्रा में अव्यवस्थाओं के बोलबाले पर कहा था कि यह अधिकारियों की वजह से हो रहा है और अगर उनके द्वारा बनाया गया देवस्थानम बोर्ड भंग न किया जाता तो यात्रा में अव्यवस्थाएं नहीं होती।

त्रिवेंद्र सिंह के बयान पर कांग्रेस का पलटवार : धस्माना ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को यह पता ही होगा कि राज्य में एक निर्वाचित सरकार है जो लोकतंत्र में सर्वोपरि होती है और कार्यपालिका उसके अधीन रहकर उसके आदेशों पर क्रियान्वयन करती है । धस्माना ने कहा कि प्रदेश में एक तीर्थाटन व पर्यटन मंत्री है और इसका पूरा एक विभाग है जो एक स्वतंत्र प्रभार वाला मंत्री देख रहा है। धस्माना ने कहा कि अगर चार धाम यात्रा में अव्यवस्थाएं हैं तो इसके लिए पूरी तरह से जवाबदेही राज्य सरकार व पर्यटन मंत्री की है लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अव्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को दोषी बता रहे हैं और इसका एक प्रमुख कारण देवस्थानम बोर्ड भंग किया जाना बता रहे हैं।

धस्माना ने कहा कि असल में पूर्व मुख्यमंत्री अपनी पुरानी टीस भुला नहीं पा रहे जो उनको हटा कर पहले तीरथ सिंह जी को और बाद में पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया गया और धामी द्वारा देवस्थानम बोर्ड भंग कर दिया गया जिसे श्री त्रिवेंद्र सिंह भुला नहीं पा रहे। धस्माना ने कहा कि देवस्थानम बोर्ड हो या बीकेटीसी या पर्यटन विभाग राज्य में चार धाम व तीर्थ यात्राओं की व्यवस्थाओं का जिम्मा राज्य सरकार का है और अगर राज्य की चार धाम यात्रा में अव्यवस्थाएं हो रही हैं तो पूर्व मुख्यमंत्री को इसके बारे में सीधे राज्य के मुख्यमंत्री से मिल कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग करनी चाहिए। धस्माना ने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह सत्ताधारी दल के वरिष्ठ नेता हैं व अभी संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में हरिद्वार से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े हैं इसलिए उनको बजाय विपक्षी पार्टी के नेता की तरह बयान बाजी करने के राज्य की सरकार के जिम्मेदारों से बातचीत कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करवाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

दो लाख की ऑनलाइन धोखाधड़ी, केस दर्ज

हरिद्वार। एक युवक से दो लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी हो गई। पुलिस ने बुधवार देररात अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। इससे पहले साइबर सेल इस मामले की जांच कर रही थी।इंस्पेक्टर रमेश सिंह तनवार के मुताबिक पीठ बाजार ज्वालापुर निवासी विपुल कंसल ने शिकायत कर बताया कि उसके मोबाइल फोन पर दो जनवरी को एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उसे योजना के तहत लाभ मिलने की बात कही। इसके बाद खाते में सेंधमारी कर 2.05 लाख की रकम उड़ा दी। उसी दिन साइबर क्राइम सेल के नंबर पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। पांच महीने की जांच के बाद पुलिस ने अब केस दर्ज किया है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वनाग्नि प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को लमगड़ा क्षेत्र में वनाग्नि से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय और हवाई निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस साल आग से काफी नुकसान हुआ लेकिन अब वनाग्नि नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष में वनाग्नि से बहुत चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन स्थानीय लोगों एवं वन महकमे के प्रयासों से हालत काबू में है। उन्होंने कहा कि बारिश होने से काफी राहत मिली है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वनाग्नि जैसी स्थितियों से निपटने के लिए तथा ऐसी घटनाएं दोबारा न हो, इसके लिए फायर लाइन बनाए जाने पर कार्य किया जा रहा है तथा पूरे साल का प्लान तैयार किया जा रहा है। वनाग्नि की चपेट में आकर अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति उन्होंने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की तथा कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों इसके लिए ठोस प्लान बनाया जा रहा है तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने कल्याणिका डोल आश्रम के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

गुमशुदा नाबालिग बहनों को पुलिस ने 02 घंटों के भीतर किया सकुशल बरामद

अल्मोड़ा(आरएनएस)। रानीखेत पुलिस ने घर से बिना बताए निकली 02 नाबालिग बहनों को दो घंटों के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। बुधवार को चिलियानौला निवासी महिला द्वारा अपनी 02 नाबालिग पुत्रियों के घर से बिना बताए कहीं चले जाने और वापस न आने के संबंध में कोतवाली रानीखेत में सूचना दी गई थी। जिस पर प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार धनखड़ कोतवाली रानीखेत के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा नाबालिग बहनों की खोजबीन शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा संभावित जगहों पर चेकिंग कर टैक्सी/ बस स्टैंडों पर लोगों से पूछताछ की गई, पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा बालिकाओं को 02 घंटों के भीतर कॉलेज गेट के पास से सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। परिजनों द्वारा पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया। कोतवाली रानीखेत पुलिस टीम से वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुनील सिंह बिष्ट, एएसआई बद्री सिंह भण्डारी, हेड कांस्टेबल गोविंद जोशी, कांस्टेबल कमल गोस्वामी शामिल रहे।

मानसखंड विज्ञान केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। स्यालीधार स्थित मानसखंड विज्ञान केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न ग्रामों से आये ग्राम प्रधान, उपप्रधान, वार्ड मेंबर तथा आम नागरिकों ने प्रतिभाग किया। सभा का आयोजन मानसखंड विज्ञान केंद्र के सभागार में किया गया। मानसखंड विज्ञान केंद्र की तमन्ना बोरा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। यूकॉस्ट के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एस एस सामंत ने जैव विविधता पर अपने अनुभवों को साझा किया। इस वर्ष जैव विविधता की थीम बी पार्ट ऑफ़ दी प्लान पर आगंतुकों को सम्बोधित किया। उन्होंने आसपास के क्षेत्रों में हो रहे जलवायु परिवर्तन और उससे वानिकी में होने वाले परिवर्तन तथा वनाग्नि से वृक्षों को होने वाले नुकसान पर प्रकाश डाला।